स्वास्थ्य प्रबंधन में कॅरिअर

डॉ. विवेक कुमार सिंह

किसी भी देश के विकास के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा में उत्कृष्टता एक अत्यधिक अनिवार्य घटक है. भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा क्षेत्र को ऐसे कार्मिकों की आवश्यकता है, जो आयुर्विज्ञान में कुशल होने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी की दृष्टि से भी ज्ञान सम्पन्न हों. भारतीय स्वास्थ्य सुरक्षा उद्योग लगभग 15 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर पर तीव्र गति से विकासशील है. इस तीव्र एवं विविध विकास के कारण भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा उद्योग में कॅरिअर के अवसर भी पर्याप्त रूप में बढ़े हैं. भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन कार्यों का एक बड़ा पहलू यह है कि ये केवल डॉक्टरों तक सीमित नहीं है. स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों के खुलने के कारण इस क्षेत्र में कार्य विविध प्रकार हैं. स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यों में निकट भविष्य में कई गुणा बढ़ने की आशा है.

स्वास्थ्य सुरक्षा परिदृश्य, अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक तीव्रता से बढ़ रहा है. यह क्षेत्र सुरक्षा कैसे और कहां देनी है, ये सेवाएं कौन दे रहा है और इस सुरक्षा का वित्त पोषण कैसे होता है, के संबंध में बदल रहा है. स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन क्षेत्र को, हो रहे परिवर्तन के प्रबंधन के लिए प्रतिभावान व्यक्तियों की आवश्यकता है. स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यपालकों को अपनी इन भूमिकाओं में, समाज के स्वास्थ्य में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर मिलता है. अधिकांश व्यक्ति जब कॅरिअर के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा पर विचार करते हैं तो डाक्टरों, नर्सों या विशेषज्ञ तकनीशियनों के बारे में सोचते हैं. किंतु इन व्यवसायियों की सहायता के लिए अनेक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधक होते हैं, जिनकी रोज़गार सुरक्षा तथा वेतन आकर्षक होता है. स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधकों का कार्य अत्यधिक विविध हो सकता है. ये नर्सिंग होम, अस्पतालों, चिकित्सा से जुड़े बड़े निगम, फार्मास्युटिकल संस्थापनाओं, क्लीनिक, आउटपेशेंट सर्जिकल सेंटर्स, नेत्र सर्जरी केंद्रों, बीमा कंपनियों, विशेषज्ञ तकनीकी समूहों, औषध कंपनियों तथा निगमों में देखे जा सकते हैं तथा इन नियोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं.

भूमिका एवं दायित्व:

स्वास्थ्य प्रबंधन व्यवसायियों की भूमिका तथा दायित्वों में निम्नलिखित शामिल हैं:-

(क) नैदानिक, व्यावसायिक, लिपिकीय एवं प्रशासनिक स्टाफ का प्रबंधन

(ख) स्टाफ की भर्ती, चयन, मूल्यांकन एवं विकास का प्रबंधन

(ग) किसी संगठन, किसी विशिष्ट यूनिट या सेवा क्षेत्र का प्रबंधन और

(घ) नई नीतियों तथा विनिदेशों का कार्यान्वयन.

उन्हें आंतरिक रूप में चिकित्सा तथा गैर-चिकित्सा स्टाफ और बाहरी संगठनों जैसे सामाजिक सेवा, स्वयं सेवी समूहों या निजी क्षेत्र के व्यक्तियों से भी सम्पर्क तथा वार्तालाप करना होता है. उन्हें रोगियों को कोटिपूर्ण सेवा देने और धनराशि को महत्व देने के संबंध में सूचना एकत्र करने एवं विश्लेषण करने, योजना में उसका प्रयोग करने तथा परियोजनाओं एवं प्रणाली की कार्य व्यवस्था, दोनों का प्रबंधन भी करना होता है. स्वास्थ्य प्रबंधन में आज गुणवत्ता आश्वासन तथा निगरानी उद्देश्यों, बजट व्यवस्था एवं वित्तपोषण को कड़े नियंत्रण में रखने के लिए डाटा का बहिर्वेशन भी शामिल है. वे सेवाएं देने में सुधार लाने, बैठकों में भाग लेने, रिपोर्ट लेखन एवं विभिन्न श्रोताओं/दर्शकों को प्रस्तुति देने, नैदानिक शासन तथा ऑडिट में नीतिगत परिवर्तन लाने की योजना बनाने तथा उन्हें कार्यान्वित करने में भी शामिल होते हैं. स्वास्थ्य प्रबंधन व्यवसायी समितियों में भी बैठते हैं और अपने विभागों तथा टीमों के विचार व्यक्त करते हैं. उन्हें संचार एवं कार्पोरेट कार्य भी करने होते हैं. वे परिसर, खानपान, सफाई, सुरक्षा (प्रायः उप ठेकेदारों के माध्यम से), उपकरण खरीदने तथा वितरित करने तथा भंडार व्यवस्था की योजना बनाने में भी शामिल होते हैं. स्वास्थ्य प्रबंधन व्यवसायी सूचना एवं वित्तीय डाटा का

(शेष पृष्ठ 47 पर)

स्वास्थ्य प्रबंधन ...

(पृष्ठ 1 का शेष)

प्रबंधन करते हैं और कार्यों का विश्लेषण तथा समीक्षा करते हैं. वे आई.सी.टी. प्रणालियों का समर्थन करते हैं और नई परियोजनाओं की योजना बनाते हैं.

इस क्षेत्र में अन्य कार्यों में ऐसे टीम प्रबंधकों के रूप में भी अवसर होते हैं, जो विपणन, स्वास्थ्य सूचना, मानव संसाधन, चिकित्सा बिलिंग तथा अन्य विभागों का पर्यवेक्षण कर सकते हैं. आप में अधिक समय तक और दबाव में कार्य करने की क्षमता होने के साथ-साथ आप सहानुभूतिशील, नव प्रवर्तित, जिम्मेदार तथा अत्यधिक कार्य प्रेरित होने चाहिएं.

इस क्षेत्र में एक बार आ जाने के बाद इसमें स्वास्थ्य सुरक्षा प्रशासक या कार्यपालक या नैदानिक प्रबंधक जैसे कॅरिअर के कई अवसर प्राप्त करेंगे या स्वास्थ्य सूचना प्रबंधक या नर्सिंग होम प्रशासक बन सकते हैं. कोई भी व्यक्ति क्रेडिट रेटिंग फर्मों, भेषज कंपनियों, स्वास्थ्य बीमा कंपनियों, एनजीओ, ई-हैल्थ उद्यमों आदि में भी रोज़गार प्राप्त कर सकता है. स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन में डिग्रीधारी होने पर आप रोज़गार के लिए भारत में चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र भी तलाश सकते हैं.

आज भारत में लगभग 40 लाख व्यक्ति स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन क्षेत्र में सेवारत हैं. यह हमें भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा उद्योग में उपलब्ध व्यापक संभावनाओं तथा विविध अवसरों के बारे में एक धारणा देता है.

पाठ्यक्रम एवं पात्रता मानदंड

विभिन्न स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम एवं कार्यक्रम वित्त, संचार, प्रचालन तथा भारतीय स्वास्थ्य सुरक्षा उद्योग से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विभिन्न प्रबंधन सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हैं. कोई भी व्यक्ति स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन में स्नातक तथा स्नातकोत्तर डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रम कर सकता है. जीवनविज्ञान, सूक्ष्म जीवविज्ञान, औषधि, फार्मेसी, नर्सिंग, फिजियोथैरेपी, पशु चिकित्सा विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, पैरामैडिक्स आदि जैसे किसी भी विषय में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्रीधारी कोई भी व्यक्ति स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन में कोई कॅरिअर अपना सकता है. इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन में एम.बी.ए. भी कर सकते हैं.

भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

वर्ष 1962 में स्थापित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल प्रशासन विभाग अस्पताल प्रशासन तथा प्रबंधन के क्षेत्र में अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरा है. यह विभाग प्रायोजित एवं नए उम्मीदवारों, दोनों के लिए अस्पताल प्रशासन में मास्टर (एम.एच.ए.) डिग्री प्रदान करने के लिए अस्पताल प्रशासन में एक-दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाता है. अस्पताल में एक पीएच.डी कार्यक्रम भी चलाया जाता है.

जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, हमदर्द नगर, दिल्ली यह विश्वविद्यालय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन में एम.बी.ए. और अस्पताल में एम.बी.ए. पाठ्यक्रम चलाता है.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, न्यू मेहरोली रोड, मुनिरका, नई दिल्ली-110067 भी स्वास्थ्य प्रबंधन में पाठ्यक्रम चलाता है.

भारतीय स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान (या आई.आई.एच.एम.आर.) 1984 में स्थापित एक स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रबंधन संस्थान है. जयपुर में स्थित आई.आई.एच.एम.आर. भारत में अपनी किस्म का एक ऐसा पहला संस्थान है, जिसका ध्यान स्वास्थ्य प्रणाली अनुसंधान तथा प्रबंधन पर केंद्रित है. आई.आई.एच.एम.आर. विश्वविद्यालय, जयपुर निम्नलिखित दो वर्षीय पूर्णकालिक कार्यक्रम चलाता है.

- **अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एच.एम.).**
- **एम.बी.ए.- फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट (एम.बी.ए.-पी.एम.).**
- **एम.बी.ए.- ग्रामीण प्रबंधन (एम.बी.ए-आर.एम.).**
- **मास्टर ऑफ पब्लिक हैल्थ (एम.पी.एच.).**
- **पीएच.डी.**

टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टी.आई.एस.एस.): टी.आई.एस.एस. एक सामाजिक विज्ञान संस्थान है जिसका मुख्य कैम्पस देवनगर, मुंबई में है. टी.आई.एस.एस., मुंबई के, कई स्कूल, संकाय अध्यापन, अनुसंधान एवं प्रकाशन केंद्र है. स्वास्थ्य प्रणाली अध्ययन स्कूल निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता है.

- **स्वास्थ्य प्रशासन में मास्टर (एम.एच.ए. हैल्थ).**
- **अस्पताल प्रशासन में मास्टर (एम.एच.ए अस्पताल).**
- **एम.पी.एच. (सामाजिक एपिडेमियोलोजी).**
- **एम.पी.एच. (स्वास्थ्य नीति, अर्थशास्त्र एवं वित्त).**

अपोलो अस्पताल प्रशासन संस्थान अपोलो हैल्थ सिटी, जुबली हिल्स, हैदराबाद, आं.प्र.-500096 डी.एम.एस., मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, पलकलै नगर, मदुरै-625021

- एम.बी.ए. (अस्पताल प्रबंधन)

क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर, वेल्लोर-632004

भेषज एवं स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थानः आई.पी.एच.एम.आर., कलकता आई.पी.एच.एम.आर. कार्यालय, 318/बी, प्रांतिक पल्ली (ऑफ)

रास बिहारी कनेक्टर, कोलकाता-700107

ए.एस.सी.आई. हिन्दूजा स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद

कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर, प्रबंधन, शिक्षा केंद्र, रोड नं.-3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद-500034, आंध्र प्रदेश, भारत.

के.ई.एम. अस्पताल, स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन संस्थान, बानू कोयाजी बिल्डिंग, छठी मंजिल, के.ई.एम. अस्पताल, रास्ता पेठ, पुणे-411011, महाराष्ट्र

प्रबंधन अध्ययन संस्थान देवी अहिल्या विश्वविद्यालय यूनिवर्सिटी, इंदौर, यू.टी.डी., कैम्पस भावरकुआ, खंडवा रोड, इंदौर, मध्य प्रदेश-452001.

मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी विश्वविद्यालय भवन, माधवनगर, मणिपाल-576119, कर्नाटक.

(सूची केवल संकेतात्मक है)

(लेखक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डी.पी.एम.) के रूप में कार्यरत हैं)

vivekearth@gmail.com